गुरुगृह गयउ पढन रघुराइ। अलपकाल विद्या सब आई।।
जाकी सहज स्वास श्रुति चारि। सो हरि पढ यह कौतुक भारि।।
(मानस आचार्य | राम कथा 917- गांधीनगर, गुजरात | मोरारी बापू)

दैनिक डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 8 अंक : 306 | इंदौर, मंगलवार 16 मई, 2023 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

Headline

1. **Weather**: दिल्ली-NCR के मौसम में अचानक बदलाव, आसमान में पसरी धूल की चादर
2. **China**: चीन को उसी की भाषा में जवाब देने की तैयारी, जानिए क्यों अहम है पीएम मोदी का आगामी विदेश दौरा
3. **SC**: 'जाने वाले तू हमें याद बहुत आएगा', जस्टिस शाह के कार्यकाल के आखिरी दिन सीजेआई चंद्रचूड़ भी हुए भावुक
4. **Shami**: 'शरीयत बीवियों को', क्रिकेटर शमी की पत्नी ने SC से लगाई तलाक पर एक समान कानून लाने की गुहार
5. **Atiq Ashraf Murder**: अतीक की पत्नी शाइस्ता पर बड़ी कार्रवाई, देश छोड़कर नहीं जा पाएंगे लेडी डॉन और ये दो शूटर
6. **Elon Musk**: तुर्किये की मांग के आगे झुका ट्विटर, विकिपीडिया के संस्थापक ने लगा दी एलन मस्क की क्लास

मप्र की राजनीति में दल-बदल के संकेत

कांग्रेस नेताओं ने दिया इशारा- भाजपा के छोटे से बड़े नेता हमारे संपर्क में

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर/भोपाल। दीपक जोशी के कांग्रेस में शामिल होने के बाद इंदौर में भी राजनैतिक सरगर्मी तेज हो गई है। जोशी के पाला बदलने के बाद कई कांग्रेस नेताओं ने बीजेपी के और भी नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के संकेत दिए हैं। इस बारे में कांग्रेस नेताओं का दावा है कि भाजपा के कई नेता पूर्व सीएम कमलनाथ और कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के लगातार संपर्क में हैं।

हालांकि कांग्रेस का दामन थामने वाले भाजपा नेताओं के नामों के बारे में किसी तरह का संकेत नहीं मिलने से फिलहाल इस बारे में कयास लगाना भी मुश्किल है, लेकिन दावों पर गौर करें तो ये माना जा सकता है कि भाजपा के निचले से लेकर बड़े स्तर तक के नेता कहीं ना कही कांग्रेस के संपर्क में हैं।

नीचे से लेकर ऊपरी स्तर तक के नेता

इधर, राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि इंदौर के साथ ही एमपी में बीजेपी के कई ऐसे नेता है जो खुद कांग्रेस नेताओं से संपर्क साध रहे हैं। इसमें पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित एक्स एमएलए के भी संपर्क में आने की बात कही जा रही है। हालांकि इसमें कौन नेता शामिल है इसके नाम अभी स्पष्ट नहीं हो सके हैं।

नेता दे चुके हैं ये संकेत

दरअसल, कुछ दिनों पहले कांग्रेस के दो नेता इंदौर में मीडिया के सामने इस बारे में बयान भी दे चुके हैं। 9 मई को पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव इंदौर आए थे। प्रेस क्लब में आयोजित नारी सम्मान योजना की शुरुआत के कार्यक्रम के दौरान मीडिया से रुबरू हुए अरुण यादव ने दीपक जोशी को लेकर पूछे सवाल पर कहा था कि दीपक जोशी से उनके पारिवारिक संबंध है। उनके पिता कैलाश जोशी संत के नाम से जाने जाते थे। उनके परिवार की दुर्गति और अनदेखी प्रदेश सरकार ने की है, उससे दुखी होकर दीपक जोशी हमारी पार्टी में आए। उनके आने से बहुत बड़ा फायदा पार्टी को होगा। जो लोग लिस्ट में है उनसे मेरी भी चर्चा हो रही है और कांग्रेस के अन्य नेताओं से हो रही है, वो जल्द ही आपके सामने आएंगे।

कमलनाथ और हमारे संपर्क में हैं कई भाजपाई

इधर, कुछ दिनों पहले इंदौर में कांग्रेस ने धर्म रक्षा यात्रा निकाली। जिसमें शामिल होने पूर्व मंत्री व विधायक सज्जन वर्मा भी पहुंचे। यहां पर उन्होंने मीडिया के एक सवाल के जवाब में कहा कि बीजेपी के कई नेता कमलनाथ जी और हमारे संपर्क में है। मप्र के कांग्रेस और बीजेपी नेताओं को ये एहसास हो गया है, कि आरएसएस और बीजेपी का जो सर्वे आया उसमें 60 से 70 सीट मात्र बीजेपी को आ रही है। वो लोग जो 6 से 7 बार बीजेपी की टिकट पर जीते वो अपने आप को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। इसलिए उनका मोह बीजेपी से भंग है और उनका रुख कांग्रेस की तरफ है।

सिंधिया के साथ जाने वालों को नो एंट्री

इस राजनैतिक उठा पटक के बीच कांग्रेस नेताओं ने ये स्पष्ट किया है कि सिंधिया के साथ जाने वाले कांग्रेस नेताओं को दोबारा एंट्री नहीं मिलेगी। सज्जन वर्मा ने ये भी कहा था कि दिग्विजय सिंह ने कहा है कि सिंधिया के साथ जो कांग्रेस के नेता पैसे में बिक कर गए हैं उनमें से एक को भी कांग्रेस में वापस नहीं लिया जाएगा।

जीएसटी रजिस्ट्रेशन जांचने की मुहीम से पहले बाजारों में घबराहट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। जीएसटी रजिस्ट्रेशन जांचने की विभागीय मुहीम से पहले बाजारों में घबराहट फैली नजर आ रही है। कारोबारी अपने व्यवसाय स्थल पर साइनबोर्ड लगाने से लेकर दुकान-दफ्तरों में दस्तावेजों की कमी दुरुस्त करने में जुट गए हैं। 16 मई से शुरू हो कर 15 जुलाई तक जीएसटी रजिस्ट्रेशन जांचने की मुहीम देशभर में चलेगी। उससे पहले कर विशेषज्ञों ने सभी व्यवसायियों को संदेश भेजकर व्यवसाय से जुड़ी जानकारियां अद्यतन रखने की सलाह दी है।

विभिन्न चार्टर्ड अकाउंटेंट, एडवोकेट और कर सलाहकारों ने व्यापारियों को संदेश भेजे हैं। इसमें कहा गया है कि अपनी फैक्ट्री या दुकान के बाहर एक साइन बोर्ड पर लगा हो। इस पर जीएसटी नंबर के साथ फर्म का पूरा नाम पता भी लिखा होना चाहिए। जीएसटी का प्रणाम पत्र भी व्यवसाय स्थल पर रखें। जिस जगह पर व्यवसाय चल रहा है जीएसटी सर्टिफिकेट में वहीं पता दर्ज होना चाहिए। यदि नहीं है तो उसे अपडेट करवाएं। पता सही नहीं होने की स्थिति में 50 हजार तक पेनाल्टी लग सकती है। एडवोकेट एके गौर के अनुसार साथ ही व्यवसायी के पास सेल्स और परचेस बिल होना चाहिए। अगर व्यवसाय स्थल या फैक्ट्री किराए की है तो उसका वैध किरायानाम भी उपलब्ध होना चाहिए। क्योंकि यदि अगर रजिस्टर्ड पते की बजाय काम कहीं ओर चल रहा है और सर्टिफिकेट में व्यवसाय स्थल का पता कहीं ओर का दर्ज है तो जीएसटी अधिकारी फर्म को बोगस घोषित कर सकते हैं। ऐसे में रजिस्ट्रेशन रद्द करने व अन्य कार्रवाई हो सकती है। सीए भरत नीमा के अनुसार जीएसटी में रजिस्ट्रेशन सत्यापन की मुहीम से पूरे बाजारों में घबराहट है। जीएसटी को फर्जी रजिस्ट्रेशन की जांच करना चाहिए लेकिन इस मुहीम की आड़ में असल व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ती दिख रही है। सेल्स परचेस बिल से लेकर अन्य तमाम दस्तावेज पास रखने की अनिवार्यता व्यवसायियों को शंकित कर रही है कि मुहीम का लाभ कुछ अधिकारी उठाएंगे। इससे भ्रष्टाचार भी बढ़ेगा।

कल से मुहीम

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के आदेश पर 16 मई से 15 जुलाई तक लगातार जीएसटी रजिस्ट्रेशनों की जांच की मुहीम चलेगी। केंद्र की ओर से संदिग्ध जीएसटी पंजीयनों की जानकारी सभी राज्यों के सीजीएसटी और एसजीएसटी विभागों को भेजी जाएगी। कर प्रणाली जीएसटी के लागू होने के छह वर्षों में पहली बार ऐसी मुहीम चलाई जा रही है।आसार है कि दो महीने में पूरे देश में लाखों जीएसटी पंजीयन रद्द हो जाएंगे। इस खास मुहीम के लिए वित्त मंत्रालय का डायरेक्टर जनरल आफ एनालिटिक्स एंड रिस्क मैनेजमेंट (डीजीएआरएम) राज्यों के केंद्रीय जीएसटी विभागों को जानकारी भेजेगा।

इंदौर को मिली चार समर स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन की सौगात

● यात्रियों के लिए राहत भरी खबर, लंबे समय से इन ट्रेनों की उठ रही थी मांग

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **इंदौर को चार समर स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन की सौगात मिली है। रेलवे बोर्ड ने इंदौर से वैष्णव देवी,इंदौर-पुणे,महू-दानपुर और इंदौर से भिवानी ट्रेन चलाने की घोषणा की है। रेलवे द्वारा ये ट्रेन चलाए जाने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। क्योंकि जिन जगहों के लिए ट्रेन चलाई गई है वंहा यात्रियों की अ'छी खासी भीड़ रही है।**

रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि इंदौर से वैष्णो देवी के लिए सम स्पेशल साप्ताहिक ट्रेन 17 मई से शुरू होगी यह ट्रेन इंदौर से रात में 11.&0 बजे चलकर अगले दिन रात में 12.&0 बजे कटरा पहुंचेगी। वहीं इंदौर से पुणे के लिए साप्ताहिक ट्रेन 18 मई से शुरू होगी। इंदौर से ये ट्रेन सुबह 11.15 बजे रहवाना होकर करीब रात & बजे के आसपास पुणे पहुंचेगी। इसी तरह महू से दानापुर के बीच भी साप्ताहिक ट्रेन चलाई गई है। ये ट्रेन 15 फरवरी को अपने पहले सफर के लिए 2.50 बजे महू से रवाना हुई और इंदौर करीब &.25 बजे पहुंची और फिर यंहा से दानापुर के लिए रवाना हुई 16 फरवरी को उक्त ट्रेन करीब 4.15 बजे दानापुर पहुंचेगी। वहीं इंदौर से भिवानी के लिए ट्रेन सप्ताह में दो बार चलेगी। 15 मई को ये ट्रेन भिवानी के लिए रवाना हुई वहीं 19 मई को भी ये ट्रेन भवानी जाएगी। ये ट्रेन शाम 7.20 बजे चलकर अगले दिन दोपहर 1 बजे भिवानी पहुंचेगी।

सर्वर पर लोड बढने से परिणाम नहीं देख सके विद्यार्थी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राज्य शिक्षा केंद्र व स्कूल शिक्षा विभाग ने सोमवार को पांचवीं-आठवीं का बोर्ड का परिणाम घोषित कर दिया, मगर घंटेभर बाद ही सर्वर डाउन हो गया। इसके चलते न तो विद्यार्थी वेबसाइट पर रिजल्ट दे सके और न ही स्कूल प्रबंधन अपने संस्थान की स्थिति पता लगा पाए। परीक्षा परिणाम के लिए अभिभावक दिनभर परेशान होते रहे। सर्वर में तकनीकी गड़बड़ी आने से विभाग ने जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले मेरिट विद्यार्थियों सूची नहीं निकाली। अब जिम्मेदार मंगलवार को जिला स्तर पर विद्यार्थियों की जानकारी देना बता रहे हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और स्कूल शिक्षा मंत्री इंदर प्रजापति ने रिजल्ट घोषित किया। प्रदेशभर में इंदौर जिला पांचवीं में 17वें और आठवीं में 24वें स्थान पर रहा। पांचवीं में 88.71 प्रतिशत और आठवीं में 78.48 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण हैं। पांचवीं के रिजल्ट में टाप 10 में इंदौर संभाग तीसरे स्थान पर आया है, लेकिन आठवीं के परिणाम को लेकर इंदौर संभाग ने टाप 10 में जगह नहीं बनाई।

छात्राओं का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। सहयोग अशासकीय विद्यालय संगठन के सचिव आशीष तिवारी ने कहा कि दोपहर एक बजे से विद्यार्थी बार-बार साइट पर लागिन करते रहे। मगर रिजल्ट नहीं खुला। राज्य आदर्श शिक्षक मंच के अध्यक्ष भगवतीप्रसाद पंडित के अनुसार रिजल्ट पता करने के लिए कई विद्यार्थियों के अभिभावक स्कूल में पहुंचे थे।

स्वच्छता की वजह से इंदौर को पहचान मिली है, इसे गुम न होने दें : महापौर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। देश ही नहीं, विदेश में भी इंदौर को स्वच्छता की वजह से पहचान मिली है। स्वच्छता ने हमें एक ब्रांड बनाया है। इस पहचान से ही जलूद में लगने वाले सोलर प्लांट के लिए निगम द्वारा जारी ग्रीन बांड में देशभर के लोगों ने भरोसा जताया है। इस महीने के अंत में स्वच्छ सर्वेक्षण होने वाला है। स्वच्छता को लेकर इंदौर की जो छवि विश्वभर में है, वह धूमिल न हो, इसका ध्यान हम सबको मिलकर रखना है। हम सबको मिलकर काम करना है और एक बार फिर स्वच्छता में नंबर वन आना है।

यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त हर्षिका सिंह ने सोमवार को स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआइ, दरोगा आदि की बैठक में कही। उन्होंने शासन की गाइड लाइन और

निर्धारित मापदंड अनुसार सफाई मित्रों को निगम द्वारा उपलब्ध यूनिफार्म, मास्क, परिचय, ग्लब्स और अन्य संसाधन के साथ कार्य स्थल पर अनिवार्य रूप से निर्धारित समय पर उपस्थित रहने और निर्धारित समय पर सुबह और दोपहर में बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए।

निर्धारित समय पर पहुंचें कचरा संग्रहण वाहन

महापौर ने कहा कि जो कर्मचारी लंबे समय से कार्य स्थल पर नहीं आ रहे हैं, ऐसे कर्मचारियों की जानकारी लें और उनसे संपर्क करें। उन्हें समझाइश दें। इसके बाद भी वे कार्यस्थल पर नहीं आते हैं तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करें। डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहन निर्धारित समय पर निर्धारित स्थान पर पहुंचे इस बात का ध्यान रखें। वाहन खराब हो जाए तो उस स्थान पर उसी दिन कोई दूसरा कचरा संग्रहण वाहन पहुंचे यह सुनिश्चित करें।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाईमित्रों का होगा सम्मान

निगमायुक्त ने कहा कि सफाई मित्रों को पात्रता अनुसार शासन की योजनाओं का लाभ मिले और उनकी समस्याओं का समय पर निराकरण हो सके, इसके लिए जोनल कार्यालय पर सहायता केंद्र पर विशेष इंतजाम किए जाएं। प्रतिमाह जोन और वार्ड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्र को सम्मानित भी किया जाए।

खाली प्लाटों पर लगाएं बोर्ड

निर्देश दिए गए कि जिन खाली प्लाटों पर कचरा फेंका जाता है, वहां निगम कचरा न फेंकें, ऐसे बोर्ड लगवाए। इसके बाद भी कोई कचरा फेंकता है तो उसके खिलाफ स्पाट फाइन की कार्रवाई करें। सीएसआइ और दरोगा इस बात का ध्यान रखें कि कहीं भी कोई कचरा पाइंट न बन सके।

नए रेड स्पाट न बन सकें

महापौर, निगमायुक्त ने रेड स्पाट रोकने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जो भी यहां-वहां थूकता मिले उसके खिलाफ तुरंत स्पाट फाइन की कार्रवाई करें। सफाई के दौरान निगमकर्मी आमजन के साथ अपना व्यवहार अच्छा रखें।

कार को ठोंककर भाग रहे अन्नदूत वाहन को पुलिस ने पीछा कर पकड़ा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पलासिया थाना क्षेत्र में रविवार देर रात दो अन्नदूत वाहन गली में खड़ी एक कार को टक्कर मारकर भाग निकले। कार मालिक ने खुद ट्रकों का पीछा किया नहीं रूकने पर पुलिस को सुचित किया गया इस पर गश्त कर रही पुलिस टीम ने पीछा कर अन्नदूत वाहन को दबोचा। बताया जा रहा है कि दोनों अन्नदूत वाहन हातोद क्षेत्र के एक निजी कंपनी का गेंहू भरकर बिचौली बायपास जा रहे थे। पद्मावती कालोनी से ट्रक (एमपी 09 एचजी 4511) और (एमपी 09 एछजी &466) से चोरी छिपे गलियों से होते हुए बिचौली जा रहे थे गलियां सकरी होने से ट्रक चालक ने एक गाड़ी को चपेट में ले लिया। गार्ड ने आवाज देकर कार मालिक को उठाया। फरियादी ने बाइख से दोनों का पीछा किया और पुलिस को सूचना देकर बुलाया। पुलिस की गाडिय़ां देख ट्रक चालकों ने ट्रक दौड़ा दिया। जैसे तैसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा और दोनों चालकों को ट्रकों केसाथ पकड़कर थाने ले गई। पुलिस ने कार मालिक रोहन गुप्ता की शिखायत पर ट्रक चालक पर केस दर्ज कर जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि ट्रक चालक सुभाष पिता राधेश्याम पवार निवासी ग्राम दूधिया खुड़ैल नशे में वाहन चला रहा था उके किळाफ 185 का चालान भी बनाया है।

मदद के बहाने लूटने वाले धराए

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में एक युवक की मदद के बहाने लूटने वाले आरोपियों को पुलिस ने पकड़ लिया है। आरोपी नशे के आदी हैं। युवक के गले में सोने की चेन देखकर उनकी नीयत खराब हुई है और आरोपी उनका मोबाइल और चेन सहित करीब डेढ़ लाख का माल लूटकर वहां से भाग गए। दीपक पारीख निवासी कान्यकु? श्च नगर ने शिकायत की थी कि विद्याधाम मंदिर का पास बीपी लो हो जाने के कारण च?कर आ गए थे। जब होश में आया तो गले में पहनी हुई सोने की चेन और मोबाइल गायब था। उन्होंने मदद करने के लिए आए तीन युवकों पर शंका जाहिर की थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज निकाले और संदेहियों का रूट फालो किया। तीनों आरोपियों आकाश खरे निवासी प्रजापत नगर, नदीम खान और गुलाम हुसैन दोनों निवासी चंदननगर को पकड़ा गया। उनके पास से चुराया गया माल भी बरामद कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह नशा करने के आदी हैं। वारदात वाले दिन वह नशा करने के लिए घूम रहे थे, इसी दौरान फरियादी को बैठा हुआ देखा। वह उसके पास गए तो मदद करने के लिए गए थे, लेकिन उसके गले की सोने की चेन देखकर नीयत खराब हो गई। उसके बेहोश होते ही वह चेन और मोबाइल लेकर भाग गए। आरोपी नदीम और गुलाम का आपराधिक रिकॉर्ड भी है। इन पर चोरी नकबजनी के अपराध दर्ज हैं।

चाइल्ड लाइन डायरेक्टर के घर में चोरों का धावा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट **इंदौर**। सिलिकॉन सिटी में रहने वाले चाइल्ड लाइन के डायरेक्टर के घर में चोरी हो गई। परिवार पिकनिक के लिए शहर से बाहर गया हुआ था। शाम को दूधवाला आया तो इस चोरी के बारे में पता चला। इस पर परिवार वापस आया और पुलिस को इसकी शिकायत की। वसीम इकबाल की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि कल पूरा परिवार पिकनिक मनाने के लिए देवास गया था। शाम तो जब दूधवाला आया तो उसने फोन लगाया। इस पर बताया कि वह तो बाहर गए हुए हैं। इसी के चलते आज दूध नहीं लेंगे। इस पर दूध वाले ने बताया कि घर का दरवाजा तो खुला हुआ है। उसे घर के अंदर जाकर देखने का बोला तो उसने बताया कि सारा समान फैला हुआ है। इस पर वह घर वापस लौटे। घर पहुंचे तो घर में रखे नकद 45 हजार रुपए और दूसरा सामान गायब था। चोर घर से चोरी कर ले गए। वहीं सिलिकॉन सिटी में यामिनी जायसवाल के घर में भी चोरी हो गई। बदमाश घर से नकदी, किचन व बाथरूम में लगे नल तोड़ कर चुराकर ले गया। उधर, अनिल कुमार जाटव (34) निवासी ओमे?स सिटी-1 के घर में भी चोरी हो गई। बदमाश उनके घर से सोने-चांदी के जेवरात और नकदी 60 हजार रुपए लेकर भाग गए। भागते हुए घर से क्रिकेट बेट भी ले गए। एक अन्य वारदात मिर्जापुर में हुई है। बदमाश संजय उदावत घर से जेवर लेकर भाग गए।

सावधान! आप भी तो नहीं बन रहे

फर्जी मैट्रिमोनियल वेबसाइट्स का शिकार

मध्य प्रदेश साइबर पुलिस ने कुंवारे युवकों को शादी का झांसा देकर लाखों

ऐसे चलता है ठगी का धंधा

जीवन भर का फैसला कहीं
जीवन भर की चूक न बन जायें,

डिटेक्टिव से
तहकीकात ज़रूर करवाए

DETECTIVE GROUP
Detecting the truth

आज ही अपनी जानकारी सबमिट करे
www.detectivegroup.in
Whatsapp us on +91-91110 50101

शासकीय तालाब और जल-संरचनाओं पर पहला हक मछुआरों का

केवट समाज की प्रगति, विकास और उन्नति में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी : मुख्यमंत्री श्री चौहान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भगवान श्रीराम और मैया सीता को निषादराज केवट ने गंगा पार लगाया था। केवट की श्रीराम के प्रति असीम श्रद्धा और भक्ति थी। निषादराज भारतीय समाज के लिए भगवान से कम नहीं हैं।

केवट समाज सरल, मेहनती और साहसी समाज है। केवट समाज ने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों को धूल चटा दी थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान, मुख्यमंत्री निवास पर केवट जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। जल संसाधन, मछुआ कल्याण तथा मत्स्य-पालन मंत्री तुलसीराम सिलावट, अध्यक्ष मछुआ कल्याण बोर्ड सीताराम बाथम, पिंटू केवट, राकेश बाथम, प्रेमलाल वर्मन, राजू बाथम, महेश केवट सहित अन्य पदाधिकारी और समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि शासकीय तालाब और जल-संरचनाओं पर पहला हक मछुआरों का है। दबंगों से तालाबों का कब्जा वापस लेकर मछुआरों को दिया जाएगा। प्रदेश में अभियान चला कर केवट समाज को कब्जा देने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समिति बना कर शासकीय सेवा के लिए जाति प्रमाण-पत्र की विसंगति दूर करेंगे। शासकीय सेवा में जो कर्मचारी हैं, उन्हें सेवा से बाहर नहीं किया जाएगा। जहाँ केवट समाज की बहुलता है वहाँ निषादराज स्मारक, भवन बनाएंगे एवं मूर्तियाँ लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि केवट समाज के युवाओं को परम्परागत व्यवसाय के अलावा दूसरे व्यवसायों में भी आगे आने की कोशिश करनी चाहिए। मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना में काम-धंधे के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी हिन्दी में की जा रही है, जिससे हमारे बच्चे अंग्रेजी के कारण पीछे न रह जाएँ। सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए मेडिकल की सीटों में 5 प्रतिशत सीट्स रिजर्व कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली बहना योजना में बहनों के खातों में 1000 रूपए हर महीने डाले जाएंगे। समाज की प्रगति विकास और उन्नति में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। मिल कर सब साथ चलेंगे। पूरी ताकत से आगे बढ़ेंगे। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने कहा कि आज का दिन पवित्र अवसर है कि मुख्यमंत्री निवास पर केवट जयंती मनाई जा रही है। केवट जयंती विकास और प्रगति में नींव का पत्थर साबित होगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान केवट समाज का गौरव बढ़ाने, प्रगति और विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। मत्स्य-पालन विभाग पूरे राष्ट्र में कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इसका श्रेय मुख्यमंत्री श्री चौहान और केवट समाज के नागरिकों को जाता है। पूरे प्रदेश में तेजी से मछुआ क्रेडिट कार्ड बन रहे हैं। समाज के विकास के लिए कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री चौहान के नेतृत्व में सरकार आपके साथ खड़ी है। अध्यक्ष मछुआ कल्याण बोर्ड सीताराम बाथम ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि हमारे समाज के प्रभु केवट ने भगवान राम को नाव में बैठा कर पार लगाया था। केवट समाज का देश के विकास में बहुत योगदान है। उन्होंने मछुआरों और केवट समाज को अधिकार दिलाने की मांग की। भोपाल में ठहरने के लिए रेस्ट हाउस की मांग रखी। प्रदेश में प्रभु केवट की मूर्तियाँ लगाने का भी आग्रह किया।

सीएम हेल्प लाइन पोर्टल पर बनेगा प्रत्येक जिले का पृथक पेज

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अभियान के द्वितीय घटक में सीएम हेल्प लाइन में लंबित शिकायतों का शत -प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए सीएम हेल्प लाइन पोर्टल पर प्रत्येक जिले का पृथक से पेज बनाया जाएगा, जिस पर 15 अप्रैल तक दर्ज शिकायतों को पंचायत/ नगर निकाय वार प्रदर्शित किया जाएगा। कलेक्टर शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक समन्वय करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित शिकायतकर्ता को निराकरण की सूचना अनिवार्यत: दी जाए।

ओंकारेश्वर में बारिश के साथ तूफानी हवा, नर्मदा नदी में पलटी नाव, दो की मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

खंडवा। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में बड़ा हादसा हुआ है। अचानक बाबा भोले की नगरी में मौसम का मिजाज बिगड़ गया है। तूफानी हवा के साथ तेज बारिश होनी लगी। इसके बाद नर्मदा नदी में सैलानियों को घूमा रहे नावों का नियंत्रण बिगड़ने लगा। एक नाव नर्मदा नदी में पलट गई। इस नाव पर एक ही परिवार के छह लोग सवारे थे। इनमें से दो की मौत हो गई है। एक दो साल का मासूम बच्चा भी है। परिवार के चार लोगों को बचा लिया गया है। ओंकारेश्वर में आज तूफानी हवा के साथ तेज बारिश होने लगी थी। आंधी और बारिश के चलते नर्मदा नदी के तट पर बंदी 10 से 12 नाव भी डूब गई। गुजरात के पुलिस अफसर अपने परिवार के साथ ओंकारेश्वर घूमने आए थे। वह तीन दिनों से मध्यप्रदेश में थे। पहले इंदौर आकर उज्जैन महाकालेश्वर के दर्शन किए।सोमवार को करीब 5:00 बजे नर्मदा नदी में यह परिवार नाव से घूम रहा था। इस दौरान यह हादसा हो गया। बच्चे सहित एक अन्य को ओंकारेश्वर के शासकीय अस्पताल लेकर पहुंचे, जिसमें 2 साल के मासूम को मृत घोषित कर दिया। मासूम का नाम निकुज था। निकूज के साथ परिवार के एक सदस्य की मौत हुई है। पीएम के बाद परिवार के लोगों को शव सौंप दिया जाएगा। गौरतलब है कि गर्मी की छुट्टियों में बड़ी संख्या में ओंकारेश्वर में सैलानी आते हैं। इसकी वजह से नदी में नावों पर अधिक लोग होते हैं।

उज्जैन, भोपाल, सतना और छतपुर में बनेंगे सांस्कृतिक वन

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। प्रदेश के चार नगरों में गुजरात की तर्ज पर सांस्कृतिक वन बनाए जाएंगे। इसके लिए उज्जैन, भोपाल, सतना और छतरपुर जिले का चयन किया गया है। उज्जैन जिले में महाकाल वन स्थल बनाया जाएगा। भोपाल के डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्यान में सांस्कृतिक वन, सतना जिले के चित्रकूट में श्रीराम वन स्थल और छतरपुर जिले के खजुराहो में विरासत वन बनाया जाएगा। इन सांस्कृतिक वनों में मुख्य रुप से आध्यात्मिक उपवन, स्प्रीचुअल गार्डन और कम्युनिटी जोन बनाए जाएंगे। नवग्रह वन, नक्षत्र वन, राशि वन एवं पंचवटी वन भी निर्मित किए जाएगे। पार्किंग जोन एवं पर्यटकों के लिए फूड कोर्ट भी होंगे। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में बनाए गए सांस्कृतिक वनों की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी इस तरह के वन बनाने की बात कही थी, जिसके बाद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसमें रुचि दिखाते हुए मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को निर्देश दिए थे। बैंस के निर्देश पर वन विभाग ने गुजरात के सांस्कृतिक वनों का अध्ययन किया था और शासन को एक रिपोर्ट सौंपी थी।

इस रिपोर्ट के आधार पर अब इसी तरह के वन मध्य प्रदेश में भी बनाए जा रहे हैं। पहले चरण में चार नगरों का चयन किया गया है। बता दें कि गुजरात में इस तरह के सांस्कृतिक वन काफी संख्या में बन गए हैं। वहां हर साल एक जिले का चयन ऐसे स्थल बनाने के लिए किया जाता है। प्रदेश के छतरपुर जिले में खजुराहो मंदिर से चार किमी दूर लवकुश नगर क्षेत्र की 17 एकड़ भूमि पर विरासत वन स्थल बनेगा। इसकी डीपीआर तैयार है और कार्य भी प्रारंभ हो गया है। विरासत वन स्थल पर करीब सात करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।

हिंदुत्व पर फिर भड़के दिग्विजय सिंह, बोले- हम इसे नहीं मानते धर्म

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है। इसे लेकर हर दिन भाजपा कांग्रेस एक-दूसरे के ऊपर निशाना साध रही है। इसी बीच सूबे के पूर्व मुखिया दिग्विजय सिंह ने हिंदुत्व को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारा सनातन धर्म है। हम हिंदुत्व को धर्म नहीं मानतें है। साथ ही साथ उन्होंने हिंदुत्व का मतलब भी बताया। भाजपा पर निशाना साधते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि हमारा सनातन धर्म है। हम हिंदुत्व को धर्म नहीं मानते हैं। सनातन धर्म का अर्थ बताते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो, यह होता है सनातन धर्म। जबकि हिंदुत्व में यह होता है कि जो हमारी बातें ना माने उन्हें डंडा मारो, उनके मकान तोड़ दो, उन्हें जेल भेज दो।

जिस हेलीकॉप्टर से अनुराधा पोड़वाल हुईं थीं घायल, उसे सवा दो करोड़ रु. में खरीदेगी मुंबई की कंपनी

भोपाल। प्रदेश सरकार के बीस साल से भी अधिक पुराने बेल-430 हेलीकाप्टर को अब मुंबई की डेकन एयरवेज कंपनी खरीदेगी। इस हेलीकाप्टर को खरीदने के लिए कंपनी ने दो करोड़ 36 लाख रुपये की बोली लगाई थी, जो मंजूर हो गई थी। कंपनी ने 25 प्रतिशत राशि 59 लाख रुपये जमा करके एग्रीमेंट कर लिया है। अब शेष राशि वह अगले कुछ दिनों में जमा कर हेलीकाप्टर एवं उसके पाट्स की सुपुर्दगी ले लेगी। इस राजकीय हेलीकाप्टर को वर्ष 2016 से बेचने के प्रयास हो रहे थे। यह लंबे समय से स्टेट हैंगर में पड़ा हुआ है और हवाई सेवा के लिए उपयुक्त नहीं है। इस हेलीकाप्टर से वर्ष 2003 में यात्रा करते समय प्रख्यात गायिका अनुराधा पोड़वाल घायल हो गई थीं। उक्त हेलीकाप्टर को यथास्थिति में बेचने के लिए आठ बार टेंडर जारी हुए हैं। पहले इसकी आफसेट प्राइज दस करोड़ रुपये रखी गई थी। कीमत ज्यादा रखने के कारण छह बार में भी कोई खरीददार सामने नहीं आया। सातवीं बार निकाले गए टेंडर में इस हेलीकाप्टर की आफसेट प्राइज दो करोड़ 24 लाख रुपये रखी गई थी। भोपाल के एफए इंटरप्राइजेज ने दो करोड़ 37 लाख रुपये की दर दी थी, जो सरकार ने मंजूर कर ली थी, लेकिन वह इसे खरीदने के लिए आगे नहीं आया। इस पर उसकी अमानत राशि करीब ढाई लाख रुपये राजरात कर ली गई। आठवीं बार टेंडर जारी किए गए। इस हेलीकाप्टर को बेचने के लिए पिछले सात साल से प्रयास हो रहे हैं। सात बार टेंडर जारी किए जा चुके हैं। टेंडर प्रक्रिया में बोलीदारों ने करीब साठ लाख रुपये की अमानत राशि जमा कराई थी, जो राजसात कर ली गई है क्योंकि ये बोलीदार टेंडर मंजूर होने के बाद भी निर्धारित राशि जमा कर हेलीकाप्टर उठाने नहीं आए थे।

बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा में लगी आग, एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया जा सका काबू

खंडवा। खंडवा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में सोमवार रात करीब 9 बजे आग लग गई। आग बुझाने में नगर निगम के 3 फायर फाइटर की मदद से लगभग 1 घंटे में 6 से अधिक राउंड पानी डाला गया। जिसके बाद बैंक में लगी आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार खंडवा के शिवाजी चौक स्थित देना बैंक से मर्ज होकर बनी बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच में सोमवार रात 9 बजे आग लग गई। बैंक के आसपास मौजूद राहगीरों ने कंट्रोल रूम में सूचना दी। जिस पर पुलिस प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। नगर निगम खंडवा की तीन फायर फाइटर गाड़ियों की मदद से 6 राउंड पानी डाला गया और आग पर काबू पाया गया। बैंक में लगी आग से कितना नुकसान हुआ है इसका आकलन अभी किया जाना बाकी है। हालांकि आग लगने के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन वहां मौजूद प्रत्यक्ष दर्शियों के अनुसार आग शॉर्ट शर्किट से लगी है। बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच में लगी आग ब्रांच के अंदर ही धधक रही थी एवं उसका धुंआ छत से भारी मात्रा में निकलता हुआ दिख रहा था। जिसके बाद फायर फाइटर टीम ने आग बुझाने का काम शुरू किया। ब्रांच में लगी आग की लपटें मात्र एक खिड़की के माध्यम से बाहर दिख रही थीं। जिसके बाद आस-पास मौजूद आम लोगों के साथ ही एक पुलिस जवान ने बगैर किसी सुरक्षा उपकरण के खिड़की के कांच तोड़ने में फायर फाइटर टीम की सहायता की, जिससे पानी अंदर जा सका और आग पर काबू पाया गया।

स्पा सेंटर की आड़ में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस ने आधा दर्जन ग्राहकों के साथ कई युवतियों को पकड़ा

शहडोल। मध्य प्रदेश के शहडोल में स्पा सेंटर की आड़ में सेक्स रैकेट चलता पाया गया है। पुलिस की छापा मार कार्रवाई में इसका खुलासा हुआ है। पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक ग्राहक और लड़कियों को गिरफ्तार किया है। स्पा सेंटर में ग्राहकों के साथ आपत्तिजनक स्थिति में नॉर्थ ईस्ट की लड़कियां मिली है। मौके से पुलिस को कई आपत्तिजनक सामान भी मिला है। पुलिस ने ग्राहकों को पकड़कर थाने भेज दिया है और नॉर्थ ईस्ट की लड़कियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस की इस छापेमारी के बाद पूरे विंध्य क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मसाज के आने वाले युवकों को एक्ट्रा सर्विस के नाम यह धंधा चल रहा था। स्पा के अंदर छोटे-छोटे केबिन बने हुए थे। मौके से पुलिस को कई तरह का अपत्तिजनक सामान भी बरामद हुआ है। बता दें कि सिंगरौली जिले में बीते दिनों पुलिसकर्मियों की टीम ने 4 स्पा सेंटरों पर छापा मारा था। इस दौरान 2 स्पा सेंटर में अनैतिक गतिविधि देखने को मिली। पुलिस ने करीब 13 महिलाओं और युवतियों को रेस्क्यू किया था। स्पा सेंटर में अन्य राज्य से ओडिशा और असम से बुलाई गई थी। महिलाओं से गैर कानूनी कार्य करवाया जा रहा था। छापा के दौरान मौके से ग्राहकों और महिलाओं को रंगे हाथों पुलिस ने पकड़ा था।

MORARI BAPU

जिसमें बुद्धत्व आ गया है, उसके पास प्लीज़ कभी भी झूठ मत बोलना। यह अपराध है। झूठ बोलना - उसको बुद्धत्व का अपराध माना है। कोई जगह तो हम ऐसी रखे की जहाँ जो भी परिणाम आए, पर सत्य कहे।

सत्य-प्रेम-करुणा...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

व्यक्तित्व विशेष

रूसी मोदी

(जन्म- 15 मई, 1933, केरल)

स्तमजी होमुसजी मोदी संक्षिप्त नाम 'रूसी मोदी' (जन्म- 17 मई, 1918, मुम्बई ; मृत्यु- 16 मई, 2014, कोलकाता) टाटा समूह के शीर्ष सदस्य थे। वे एयर इंडिया और तत्कालीन इंडियन एयरलाइंस के पूर्व संयुक्त अध्यक्ष और टाटा स्टील के सीएमडी थे। रूसी मोदी वर्ष 1939 में तत्कालीन टेस्को कंपनी में दैनिक वेतन भोगी के तौर पर एक प्रशिक्षु के रूप में जुड़े थे। तब उन्हें 50 पैसे दैनिक वेतन मिलता था। धीरे-धीरे वे कंपनी के लिए काम करते गए और 1993 में टाटा स्टील के अध्यक्ष नियुक्त किये गए। इन्होंने जमशेदपुर को इस्ताप नगरी बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

संपादकीय

बड़ी चुनौती

हालांकि रक्षा उपकरणों का उत्पादन और खरीद संवेदनशील मामला होता है। इसकी तकनीक और प्रणालियां गोपनीय ढंग से बनाई जाती हैं, इसलिए दूसरी वस्तुओं की तरह इसके उत्पादन का रास्ता नहीं खोला जा सकता। फिर कई बार रक्षा उपकरणों की तकनीक दुश्मन देश को बेचने की शिकायतें भी आती हैं, इसलिए डीआरडीओ की सुरक्षा को भी चाकचौबंद रखना बड़ी चुनौती है। ज्यादातर पुर्जों और उप-प्रणालियों का घरेलू स्तर पर ही निर्माण किया जाता है और करीब बारह सौ वस्तुओं को अगले कुछ सालों में निर्मित और विकसित करने की योजना है। भारत आयुध सामग्री का बड़ा आयातक देश है, इस तरह उसे अपने बजट का काफी बड़ा हिस्सा रक्षा उपकरणों, प्रणालियों आदि को खरीदने पर खर्च करना पड़ता है। यहां तक कि छोटे-छोटे पुर्जों के लिए भी दूसरे देशों का मुंह जोहना पड़ता है। ऐसे में अगर उनका निर्माण और उनकी खरीद घरेलू स्तर पर ही की जाती है, तो इससे कई लाभ होंगे। एक तो यह कि रक्षा सौदों में बिचौलियों पर निर्भरता खत्म होगी, दूसरे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। फिर आयात घटने से व्यापारिक घाटे का अंतर भी काफी कम होगा। पिछले साल थोड़े वक्त के लिए ही कुछ वस्तुओं के आयात पर रोक लगाने से व्यापारिक घाटा पाटने में काफी मदद मिली थी। सबसे अहम बात कि केंद्र सरकार ने रक्षा उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर बनने की जो घोषणा कई साल पहले कर दी थी, उसे इससे बल मिलेगा। रक्षा सामग्री के निर्माण में आत्मनिर्भर बनने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ को सक्षम बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसका सकारात्मक नतीजा भी दिखने लगा है। कई विदेशी लड़ाकू विमानों से प्रतिस्पर्धा करते विमान बनाए जाने लगे हैं। इसी तरह उपकरणों और रक्षा प्रणालियों के मामले में गति आई है।

Quote...

"आगे बढ़ना
निरंतर कुछ खोते जाना
और अकेले होते जाना है।
-सर्वेश्वरदयाल सक्सेना"

Health is Wealth

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए जहर समान हैं ये 5 चीजें, खाने से पहले सोच लें एक बार

गरमा-गरम पकौड़े, कुरकुरी कचौरी और चाट के साथ परोसी गई समोसे की चटपटी चटनी का स्वाद तो आपने कई बार चखा होगा। लेकिन क्या आप जानते हैं जरूरत से ज्यादा इन चीजों का सेवन आपको ब्लड प्रेशर का मरीज बना सकता है। हाई ब्लड प्रेशर जिसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है, एक एक सामान्य स्थिति है, जिसका कई लोग सामना करते हैं। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन के अनुसार, हृदय से जुड़ी समस्याओं और मृत्यु दर को कम करने के लिए ब्लड प्रेशर को बढ़ने से रोकना बेहद जरूरी है। ऐसे में अगर आप हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल करके रखना चाहते हैं, तो इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने से परहेज करें।

हाई बीपी में अचार

हाई बीपी के मरीजों को अचार का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए। अचार में नमक की मात्रा अधिक होने से शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है। ये ब्लड वेसेल्स को नुकसान पहुंचाने के साथ बीपी को बढ़ाता है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियां जैसे हार्ट अटैक आदि का खतरा बढ़ सकता है।

कॉफी

कॉफी में कैफीन नाम का उत्तेजक ब्लड प्रेशर लेवल को बहुत अधिक बढ़ा सकता है। इसमें कैफीन के साथ-साथ शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। यही वजह है कि इसे हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों को लेने से मना किया जाता है।

पिज्जा चिप्स ना खाएं

हाई बीपी में पिज्जा- चिप्स जैसी चीजें खाने से बचें। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन का कहना है कि पिज्जा के सॉस और बाकी टॉपिंग्स में भी सोडियम एसिटेट जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ये हाई बीपी की समस्या को और बढ़ा सकता है। इसके अलावा चिप्स में मसाला और नमक की मात्रा ज्यादा होती है। साथ ही इसमें ऊपर से भी सोडियम मिलाया जाता है जिससे हाई बीपी की समस्या और बढ़ सकती है।

प्रोसेस्ड मीट

प्रोसेस्ड मीट में सोडियम जरूरत से ज्यादा होता है, इस तरह के खाद्य पदार्थ को नमकीन बनाया जाता है। इसके अलावा सैंडविच या बर्गर के लिए सॉस, अचार, पनीर, या ब्रेड के साथर इन मीट को टॉप करने से आपके शरीर में सोडियम का लेवल बहुत ज्यादा हो जाएगा और ब्लड प्रेशर भी तेजी से बढ़ेगा।

मीठा

हाई बीपी में ज्यादा मीठा खाने से भी सेहत को नुकसान हो सकता है। बहुत ज्यादा चीनी का सेवन करने से मोटापा, दांतों की समस्या यहां तक की हाइपरटेंशन भी इसका परिणाम हो सकता है। ये हाई बीपी की समस्या को और बढ़ा सकता है।

Highlights

1. Nothing has been found: Police after Delhi school gets bomb threat
2. How can users track & block lost or stolen phones using govt's CEIR system?
3. Amazon lays off 500 employees in India: Reports
4. DK Shivakumar to reach Delhi today amid Karnataka CM race
5. Book-like rock found on Mars, pic released
6. Mumbai witnesses 'Zero Shadow Day', pics surface
7. Fake letter claims to give employment and asks for cash; govt shares pic

RuPay goes live on CVV-less payments for tokenized cards

NEW DELHI, (Agency). RuPay has now introduced the CVV (Card Verification Value) free payment experience for its debit, credit and prepaid cardholders who have tokenized their cards on the merchant application or webpage, National Payments Corporations of India said in a statement on Monday.

National Payments Corporation of India (NPCI) was incorporated in 2008 as an umbrella organization for operating retail payments and settlement systems in India.

This new CVV less experience ensures that the cardholder will not have to reach out to their wallet or remember any card details, if they have saved (tokenized) their card on the e-commerce merchant which supports this feature, the statement said.

"They will just have to enter the OTP or their device will auto-populate the OTP during the domestic e-commerce transaction and the payment will be done!" it added.

Tokenization is a simple technology to secure card transactions without sharing clear or real card details with the merchants.

The Reserve Bank of India (RBI) had made it mandatory for all credit and debit card data used in online, point-of-sale, and in-app transactions to be replaced with unique tokens. This added layer of security by way of tokenisation is expected to enhance users' digital payment experience.

As per the RBI, tokenisation refers to the replacement of actual card details with an alternate code called the "token". A tokenised card transaction is considered safer as the actual card details are not shared with the merchant during the processing of the transaction.

When a cardholder opts to save their card for a domestic e-commerce transaction, they authenticate the transaction through the card details (Card number, CVV, Card expiry date) as a one-time activity followed by entering the OTP (two-factor authentication), the details are then Tokenized and saved with the merchant.

This safeguards the card details of the customer from cyber frauds as real details are not saved with the merchant.

On the merchants' live for CVV-less payments, for the subsequent transactions customer can complete the payment by just entering the OTP without the need to enter the CVV or other card details again. With the auto-read OTP feature enabled on customer's devices, this payment experience becomes smoother than ever.

India ripe target for EV firms but domestic take up slow: Report

NEW DELHI, (Agency). India is a ripe target for electric vehicle firms as the third-largest auto market in the world but due to slow domestic takeup, no Indian company is likely to have a meaningful global share of electric vehicles in the foreseeable future, according to a report by S&P Global Ratings.

Asia is set to keep its place as the world's biggest producer of, and market for electric vehicles (EVs), EV batteries, and EV battery materials and the continent will be at the centre of the EV era, it said.

"As the world's third-largest auto market, India is a ripe target for EV firms. Sales of EVs more than doubled last year in the country. This was, however, off a low base. EV sales represented less than 2% of the total light-vehicle sales in the last 12 months," the report said.

Moreover, it said 90 per cent of the EVs in India are in the two- and three-wheeler segment.

"While there is strong growth potential, the development of adequate charging infrastructure will be key to EV adoption. Given the slow take-up of EV domestically, no Indian company is likely to have a meaningful global share of EVs in the foreseeable future," it added.

Jharkhand

बाल काटे..चूना पोता, गांव से निकाला; शादी से इनकार पर लड़की को तालिबानी सजा

मेदिनीनगर (पलामू), (एजेंसी) पलामू जिले के पाटन थानाक्षेत्र के एक गांव में रविवार शाम पंचायत बैठाकर एक आदिवासी युवती के बाल काटे गए और चेहरे पर चूने का टीका लगा गांव में घुमाया गया। इस दौरान लोगों ने थाली बजा खदेड़ते हुए युवती को गांव से बाहर कर दिया। खबर है कि ग्रामीणों ने युवती के साथ मारपीट भी की। खौफजदा युवती भागकर जंगल में पहुंची और बेहोश हो गई, जिसे सोमवार को पुलिस ने बरामद किया। जानकारी के बाद पाटन और नावा-जयपुर थाने की पुलिस सोमवार को गांव पहुंची। यहां छानबीन के बाद पुलिस ने युवती को पाटन और तरहसी के सीमावर्ती जंगल में पेड़ के नीचे से बेसुध हालत में बरामद किया। इलाज के बाद युवती को पुलिस ने अपनी सुरक्षा में रखा है। पुलिस ने मामले में चार को हिरासत में लिया है। ग्रामीणों ने बताया कि लड़की कुछ दिनों पहले शादी से इनकार कर घर से भाग गई थी। इस कारण लातेहार से 20 अप्रैल को आई बारात को लौटना पड़ा था और गांव की प्रतिष्ठा पर आंच आई थी। इसके बाद पंचायत में सजा सुनाई गई। पलामू जिले के पाटन थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार की शाम पंचायत बैठाकर एक आदिवासी युवती के बाल काट दिए गए। युवती की सगी भाभी ने उसके बाल काटे थे। इसके बाद लोगों ने उसे चूने का टीका लगाकर घुमाया और गांव से बाहर कर दिया। पुलिस ने बताया कि करीब 20 दिन पूर्व परिजनों ने युवती के लापता होने का सनहा दर्ज कराया था।

Uttarpradesh

पिता और छोटे भाई की मौत से टूटे बेटे ने खाया जहर, सदमे में मां को पड़ा दिल का दौरा

लखनऊ, (एजेंसी) राजधानी लखनऊ में हुई एक घटना ने लोगों को झकझोर कर रख दिया. शहर के त्रिवेणी नगर निवासी एक परिवार के छोटे बेटे की हार्ट अटैक से हुई मौत से दुखी पिता ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी. अब डेढ़ माह बाद घर के बड़े बेटे ने भी जहर खाकर जान दे दी. इस सदमे में मां को दिल दौरा पड़ गया. गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है. लखनऊ के त्रिवेणी नगर की मौसम बाग कॉलोनी का यह मामला है. यहां रिटायर्ड इंजीनियर नागेंद्र प्रताप सिंह अपने बेटे सूरज प्रताप सिंह, बहू रूबी और दो पोतों श्रीकांत और कृष्णकांत के साथ रहते थे.

बुजुर्ग नागेंद्र प्रताप सिंह पर दुखों का पहाड़ तब टूटा, जब बीती 31 मार्च को उनके छोटे पोते कृष्णकांत की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. उधर, बेटे की मौत से सदमे में डूबे पिता सूरज प्रताप सिंह ने भी उसी दिन अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया था.

इसके करीब डेढ़ माह बाद बीते सोमवार को फिर बुजुर्ग नागेंद्र के परिवार पर भी फिर विपत्तियों का पहाड़ टूट पड़ा. अब उनके बड़े पोते श्रीकांत ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. डेढ़ महीने पहले ही पति और छोटे बेटे को खोने से मां रूबी गम में डूबी हुई थी. अब उन्हें बड़े बेटे श्रीकांत के गुजर जाने का पता लगा तो वह बुरी तरह टूट गईं. अपने इकलौते सहारे के चले जाने का सदमा रूबी बर्दाश्त नहीं कर पाईं और उन्हें दिल का दौरा पड़ गया. पड़ोसी रूबी को लेकर शहर के मिडलैंड हॉस्पिटल लेकर गए. फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है.

Uttarakhand

यूपी से लगी सीमा पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, फायरिंग में दो को लगी गोली

हरिद्वार, (एजेंसी) हरिद्वार पुलिस की ओर से बदमाशों की धरपकड़ का अभियान जारी है। मंगलवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच फिर मुठभेड़ हुई। जिसमें फायरिंग के दौरान दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। बता दें कि आजकल सहारनपुर के समीपवर्ती गांव में उत्तराखंड के बुग्गावाला व भगवानपुर पुलिस गौकशी को लेकर अभियान चला रही है। मंगलवार तड़के पुलिस को बदमाशों के वारदात की सूचना मिली थी। पुलिस वहां पहुंची और घेराबंदी शुरू की तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। जिसमें एक बदमाश को गोली लग गई। वहीं दूसरे को भी कांबिंग के दौरान गोली लगी है। सूचना मिलते ही आला अधिकारी मौके पहुंचे। घायल बदमाशों को अस्पताल ले जाया गया। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि तीन बदमाश फरार हैं उनकी तलाश की जा रही है। हाल ही में रुड़की में हुई मुठभेड़ में फरार बदमाशों के तार भी इनसे जुड़े हो सकते हैं। पुलिस हर एंगल पर जांच कर रही है।

New Delhi

दिल्ली के इस स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, (एजेंसी) दिल्ली के एक स्कूल को बम से उड़ान की धमकी मिली है. ये धमकी e-mail के जरिए दी गई. इसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है. इससे पहले भी साउथ दिल्ली में कई स्कूलों में इस तरह के धमकी भरे मेल मिल चुके हैं. बताया जा रहा है कि अमृता स्कूल को ईमेल के जरिए बम से उड़ान की धमकी दी गई है. अमृता स्कूल साउथ दिल्ली के पुष्प विहार इलाके में है. सुबह के वक्त ईमेल के जरिए स्कूल को ये धमकी दी गई. दिल्ली पुलिस जांच में जुट गई है. इससे पहले अप्रैल में राजधानी में दिल्ली पब्लिक स्कूल में बम होने की धमकी के बाद हंगामा मच गया था. मथुरा रोड स्थित डीपीएस में बम की धमकी ई-मेल के जरिए भेजी गई थी, जिसके बाद मौके पर पहुंचकर पुलिस ने जांच पड़ताल की थी और स्कूल को खाली कराया था. हालांकि, बाद में पता चला था कि ये धमकी अफवाह थी. इससे पहले 12 अप्रैल को दिल्ली में ही एक स्कूल में बम की धमकी मिली थी. ये धमकी भी ई-मेल के जरिए ही भेजी गई थी.

खेल

गुजरात ने हैदराबाद को 34 रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

शुभमन गिल ने लगाया शतक

नई दिल्ली, (एजेंसी) आईपीएल 2023 में सोमवार को गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही गुजरात प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। गुजरात के पास 13 मैच के बाद 18 अंक हैं। यह टीम अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं, हार के साथ हैदराबाद के लिए प्लेऑफ के दरवाजे बंद हो गए हैं। इस मैच में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 188 रन बनाए थे। इसके जवाब में हैदराबाद की टीम नौ विकेट खोकर 154 रन ही बना सकी और मैच हार गई।

गुजरात के लिए बल्ले के साथ शुभमन गिल ने 101 रन बनाए। वहीं, साई सुदर्शन ने 47 रन की पारी खेली। हैदराबाद के लिए भुवनेश्वर कुमार ने पांच विकेट लिए। मार्को यानसेन, फजलहक फारुकी और टी नटराजन को एक-एक विकेट मिला। हैदराबाद के लिए क्लासेन ने 64 और भुवनेश्वर कुमार ने 27 रन बनाए। वहीं, गुजरात के लिए शमी और मोहित शर्मा ने चार-चार विकेट लिए।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान एडेन मार्करम ने टॉस जीतकर गुजरात को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पहले ही ओवर की तीसरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने ऋद्धिमान साहा को आउट कर दिया, लेकिन इसके बाद शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने मोर्चा संभाल लिया। हालांकि, हैदराबाद को इस दौरान सुदर्शन को रनआउट करने का मौका छोड़ना महंगा पड़ गया। चौथे ओवर में गिल ने फजलहक फारूकी पर लगातार चार चौके लगाए। पावरप्ले में गुजरात का स्कोर एक विकेट पर 65 रन था। अगले ही ओवर में गिल ने 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें उन्होंने नौ चौके लगाए थे।

गिल और सुदर्शन ने बेहद तेज बल्लेबाजी की। 10वें ही ओवर में दोनों ने गुजरात के स्कोर को सौ रन के पार पहुंचा दिया। दोनों ने 57 गेंद में शतकीय साझेदारी पूरी की। गिल की तरह सुदर्शन भी अपने अर्धशतक के नजदीक पहुंच रहे थे, लेकिन यानसेन के 15वें ओवर की पहली गेंद पर वह बाउंड्री लगाने के चक्कर में नटराजन को कैच दे बैठे। उन्होंने 36 गेंद में 47 रन बनाए। शुभमन और सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी की।

सुदर्शन के आउट होने के बाद गुजरात ने लगातार अंतराल में विकेट गंवाए। 28 रन के अंतराल में गुजरात ने हार्दिक (8), मिलर (7), राहुल तेवतिया (3) के भी विकेट खो दिए।

सिनेमा

गर्लफ्रेंड के साथ लिव इन में रहने के लिए ऋतिक ने खरीदा 50 करोड़ का घर? सोशल मीडिया पर वायरल हुई ये पोस्ट

बॉलीवुड के ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन पिछले कुछ वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। सुजैन खान से अलग होने के बाद ऋतिक रोशन अब एक्ट्रेस सबा आजाद के साथ रिलेशनशिप नें हैं। अपनी स्ट्रॉन्ग ऑन स्क्रीन अपीयरेंस और स्टाइलिश लुक के चलते सुर्खियों में रहने वाले ऋतिक रोशन के बारे में खबर है कि उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड सबा के साथ लिव इन में रहने के लिए मुंबई में 50 करोड़ रुपये का घर खरीदा है। फिल्मी मस्ती नाम के इस्टाग्राम पेज ने यह खबर पोस्ट की है कि ऋतिक रोशन ने अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रहने के लिए यह घर खरीदा है। ऋतिक रोशन और सबा आजाद का रिश्ता बहुत कम वक्त में काफी मजबूत हो गया है। सोशल मीडिया पर अक्सर ही दोनों साथ में तस्वीरें शेयर करते रहते हैं और दोनों को कई बार पैप्स ने भी साथ में स्पॉट किया है। जहां तक दोनों के लिव इन में रहने की बात है तो अभी तक इस खबर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं आई है। बता दें कि पिछले साल नवंबर में भी इसी तरह की एक खबर सामने आई थी जिसमें दावा किया गया था कि ऋतिक रोशन और सबा आजाद लिव इन में रहने के लिए शिफ्ट हो रहे हैं। खबर में दावा किया गया था कि ऋतिक रोशन ने अपनी गर्लफ्रेंड को 100 करोड़ रुपये का फ्लैट गिफ्ट किया है जिसमें 3 फ्लोर हैं और यह जुहू-वर्सोवा रोड पर स्थित है।

पुलिस की गिरफ्त में आई तो उगले राज

●अनेक लोगों से कर चुकी है ठगी, अकाउंट में एक लाख अमेरिकी डॉलर मिले, पति भी आरोपी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। 26 लाख की धोखाधड़ी में पकड़ाई महिला ठग को कोर्ट ने तीन दिन का और रिमांड दिया है। यानी अब पुलिस उससे बुधवार तक पूछताछ कर सकेगी। पुलिस को उसके अकाउंट से एक लाख से ज्यादा अमेरिकी डॉलर मिले हैं। वहीं कोर्ट में पुलिस ने कहा कि आरोपी महिला पूछताछ में सहयोग नहीं कर रही है। अभी उसके और अकाउंट की डिटेल लेना है। हालांकि महिला ने उज्जैन, महू, देवास और हिमाचल के लोगों को भी इसी तरह ठगने की बात स्वीकार की है।

गैरेज संचालक आरिफ खान निवासी राऊ की शिकायत पर पकड़ाई जीनत पति साजिद हुसैन को पुलिस ने गुरुवार देर रात गिरफ्तार कर शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया था। यहां से उसे सोमवार तक की रिमांड पर पुलिस को सौंपा गया था। सोमवार को कोर्ट ने एक बार फिर तीन दिन की रिमांड पर सौंपा है। दरअसल पुलिस का तर्क है कि जीनत पूछताछ में सहयोग नहीं कर रही।

पुलिस ने जांच के बाद महिला के पति को भी आरोपी बना दिया है। महिला ने करीब एक दर्जन से अधिक लोगों से ठगी की है। इंदौर एक महिला को गोल्ड लोन देने के लिए से ज्वेलरी गिरवी रख ली और फर्जी चैक थमा दिया। यह चैक बाउंस हो गया था। महिला की शिकायत के बाद कोर्ट ने जीनत के खिलाफ चैक बाउंस मामले में गिरफ्तारी वारंट निकाला था। लेकिन जीनत के पता बदल देने के चलते पुलिस उसे पकड़ नहीं पा रही थी।

हिमाचल प्रदेश, देवास और महू, उज्जैन के लोगो से ठगी

पुलिस की जानकारी के मुताबिक जीनत ने हिमाचल प्रदेश के एक व्यक्ति को ठगा था। वहीं देवास के चार पीड़ित लोगों के नाम सामने आए हैं। इनमें हातिम, आदिल पटेल, हुकम सेंधव, अरुण और नौशाद हैं। इंदौर से असलम और अकरम नाम के व्यक्ति से भी ठगी की है। जीनत ने उज्जैन और डोंगरगांव महू के लोगों से भी ठगी की। मामले में अफसर थाने जाकर खुद जीनत से पूछताछ कर रहे हैं।

पुलिस ने सोने ओर ऑयल में ऑनलाइन ट्रेंडिंग करने वाली जीनत की अकाउंट की डिटेल निकाली तो अकेले मनी चेंजिंग में करीब 1 लाख से अधिक के डालर मिले हैं। जीनत ने कोरोना काल में लोगो से रुपए लेकर डॉलर खरीदे थे। लेकिन लोगों को रुपए वापस नहीं किये। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि ऑनलाइन ट्रेडिंग में जीनत के कई रुपए डूबे भी हैं।

पूछताछ में नहीं की पुलिस की मदद

महिला पुलिस के सामने जीनत से रिमांड पर पूछताछ की गई। शुरुआत में उसने कम्प्यूटर अकाउंट पासवर्ड देने से भी इंकार कर दिया था। लेकिन बाद में पुलिस ने उससे जैसे-तैसे अकाउंट लिया। उसने कुछ रुपए प्रॉपर्टी में भी इन्वेस्ट किये थे। उससे लोगों के रुपए के बारे में जब पूछताछ की गई तो उसने पुलिस की मदद नहीं की।

तीन दिन में 3.4 डिग्री गिरा पारा

गर्मी में आई गिरावट, सोमवार का तापमान 39.4 डिग्री दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पिछले हफ्ते से तापमान की जो रफ्तार तेजी से बढ़ रही थी। उसमें हल्की गिरावट देखने को मिली। सोमवार के दिन पारा लुढ़कता नजर आया और दिन का तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया।

दोपहर में भले सड़क पर चल रहे लोग धूप से थोड़ा परेशान हुए। लेकिन शाम को गर्मी से हल्की निजात मिली। रविवार के मुकाबले सोमवार को दिन के तापमान में थोड़ी गिरावट देखने को मिली। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.6 डिग्री दर्ज किया गया था। जो सामान्य था।

हालांकि मौसम विभाग ने मोचा तूफान के असर से 16 और 17 मई से इंदौर सहित प्रदेश के कई संभागों में बारिश होने की संभावना जताई थी। इसके चलते सोमवार को तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। रविवार के दिन मौसम विभाग के एक्सपर्ट एच.एस पांडे ने कहा था 'पिछले 24 घंटे में धार, रतलाम खरगोन में लू चलने की स्थिति बनी। शनिवार के दिन खरगोन का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था। यह अब तक का सबसे ज्यादा तापमान था।

पुलिस परिवार के बालक-बालिकाओं के लिए ग्रीष्मकालीन खेल शिविर

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पुलिस द्वारा पुलिस परिवार के बालक-बालिकाओं के लिए समर कैंप ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन कर उन्हें प्रतिदिन नित नई एक्टीविटी से परिचित करवाया जा रहा है। गर्मी की छुट्टियों में बच्चे कुछ क्रिएटिविटी के साथ अच्छी एक्टिविटी भी सीखें इसी उद्देश्य से पुलिस कमिश्नर मकरंद देऊस्कर एवं एडिशन कमिश्नर ,क्राइम राजेश हिंगणकर के निर्देशन मे इंदौर पुलिस द्वारा रक्षित केंद्र इंदौर मे पुलिस परिवार के बालक-बालिकाओं के लिए इस समर घर मे बैठकर टाईम पास नहीं थीम पर समर कैंप ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

कैंप के दौरान प्रतिभागी बालक-बालिकाओं को फन आर्ट्स, गेम्स, क्रिएटिव एक्टिविटी गेम्स, स्पोकन इंग्लिश, साइबर अवेयरनेस एवं अन्य विभिन्न एक्टिविटीज पर्सनालिटी डेवलपमेंट, हैंड राइटिंग इनप्रूवमेंट, डांस एवं क्रिएटिव आर्ट और विभिन्न खेलों जैसे मलखंब, खो, खो मार्शल आर्ट स्केटिंग आदि के बारे में उनके एक्सपर्ट्स द्वारा बच्चों को महत्वपूर्ण जानकारी देकर नई-नई विधाएं सिखाने का प्रयास किया जा रहा है। रक्षित निरीक्षक दीपक कुमार पाटिल एवं सब इंस्पेक्टर बिल्किश शेख, सूबेदार अरूण सिंह, सूबेदार गजेन्द्र सिंह,सब ईस्पेक्टर शिवम ठक्कर और टीम द्वारा संचालन करते हुए प्रतिभागी बालक-बालिकाओं को विभिन्न फन गेम्स, चेयर रेस, नींबू रेस, रस्सा खीच, बॉल बॅकेट गेम आदि गेम्स खिलाकर बच्चों को खूब मस्ती और धमाल करवाई गयी। इस दौरान रक्षित निरीक्षक और उनकी टीम ने भी पूरी तरीके से बच्चों के बीच घुल मिलकर उन्हें उनके दोस्त का ही एहसास करवाया।

7 साल के बच्चे की हत्या में पत्नी भी आरोपी

●लॉकेट, अंगूठी बेचने के लिये ढाबे पर पहुंचा, वहीं से पकड़ाया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। तेजाजी नगर में 7 साल के बच्चे की हत्या में पुलिस ने उसकी मां को भी आरोपी बना लिया है। पुलिस के मुताबिक रात में आरोपी के पकड़ाने के बाद उसने कबूला की उसकी पत्नी ने ही मोबाइल पर उसे उकसाया था। दूसरी पत्नी को लेकर हत्यारा पिता उससे इतना प्रभावित था कि उसने तकिये से लेकर कमरे के हर कोने में उसकी तस्वीर लगा रखी थी। आरोपी ने बच्चे की हत्या का लाइव वीडियो बनाकर उसकी पत्नी के मोबाइल पर भी भेज दिया था। पुलिस ने मोबाइल जब्ती में ले लिया है।

तेजाजी नगर के लिंबोदी में 7 साल के प्रतीक की उसके पिता शशिकांत मुडें ने गला घोंटकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी को मोरटक्का के पास एक ढाबे से गिरफ्तार कर लिया। टीआई ने पूछताछ में बताया कि शशिकांत के पास रूपये नही थे। ऐसे में उसे पैसे की जरूरत थी। जिसमें उसने सोने की अंगूठी,गले में लाकेट ओर कान में बाली पहनी थी। जिसे वह बेचने के लिये ढाबे पर पहुंचा था। यहां पुलिस ने उसके पहले से फोटो चस्पा किये थे। जिसमें वहां बैठे व्यक्ति ने उसे पहचान लिया। इस दौरान पुलिस को सूचना दी। तभी बातों में लगाकर आरोपी को पुलिस ने मौके पर जाकर दबोच लिया।

पछतावा नहीं, पत्नी ने उकसाया

आरोपी अपनी दूसरी पत्नी पायल से काफी प्रभावित था। बेटे की हत्या को लेकर उसे कोई पछतावा नहीं है। उसने पत्नी पायल को बेटे की हत्या कर वीडियो बनाकर भेजने की बात भी कबूली। शशिकांत ने बताया कि उसे ही पत्नी पायल ने कहा था कि उसे मारना है तो मारो, घर के बाहर फेंकना है तो फेंको लेकिन वह उसके साथ इस घर में नहीं रहेगी। जिसके बाद आखिर में उसने बेटे

को मारने की योजना बना ली। शशिकांत ने अपने बिस्तर के तकिये के नीचे से लेकर पूरे कमरे में पत्नी पायल के फोटो लगा रखे थे। जब पुलिस यहां सर्चिंग करने पहुंची तो उन्हें उसके फोटो मिलें। पुलिस मंगलवार को उसे कोर्ट में पेश करेगी।

पत्नी भी बनी आरोपी, उमकैद के बराबर सजा

7 साल के बच्चे प्रतीक की मौत में पुलिस ने पायल मुडें निवासी नादानपुर शाजपुर को भी आरोपी बना लिया। उसे धारा 109 के चलते आरोपी बनाया गया है। जिसमें उम्रकैद का प्रावधान है। अफसरों की माने तो पायल भी शशिकांत के बराबर ही इस जुर्म में भागीदार है। रात को पुलिस की टीम उसे भी हिरासत में लेने गांव पहुंच गई थी। पुलिस ने उसे भी हिरासत में ले लिया है।

ट्रेन से कटा युवक

इंदौर। रेलवे स्टेशन पर रतलाम की ट्रेन के नीचे आने से फिरोज निवासी धौलपुर राजस्थान की मौत हो गई।फिरोज अपने आठ माह के बेटे और पत्नी सीमा को लेकर जावरा हुसैन टेकरी गया था। इंदौर के लक्ष्मीबाई स्टेशन पर वह अपने बच्चे के लिए दूध लेने उतरा। इसी दौरान ट्रेन चल दी। भागकर चढ़ते समय फिरोज का पैर फिसला तो वह ट्रेन के नीचे आ गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जीआरपी ने मर्ग कायम किया है।

DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

दैनिक समाचार पत्र/न्यूज़ पोर्टल/न्यूज़ चैनल
Daily Newspaper
www.dgr.co.in
Worldwide News portal
www.detectivegroupreport.com
Worldwide Youtube channel
https://youtube.com/c/DETECTIVEGROUPREPORT

समाचार, विज्ञापन और समूह से जुड़ने के लिए संपर्क करें
+91 91110 30505
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ प्रबंध संपादक - महेन्द्र आर.पालीवाल, ■ समूह PRO - एल.एन. उग्रा ■ फोन : 0731-2433667 ■*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।